CHAPTER-1

रैदास के पद

QUESTION BANK

१. बहुविकल्पीय प्रश्न - (1x10=10)

क) कवि ने अपने और इष्टदेव में किस प्रकार का संबंध बताया है ?

(i) गुरु और शिष्य की तरह (ii) पानी और चंदन की तरह

(iii) दूध और पानी की तरह (iv) बेटे और बाप की तरह

ख) कवि को राम-नाम की रट क्यों नहीं भूलती ?

(i) प्रभु से एकाकार होने के कारण (ii) कृपा पाने के लिए

(iii) भक्ति करने के लिए (iv) बाहरी दिखावा करने के लिए

ग) कवि की भक्ति में किस भाव की प्रधानता है ?

(i) प्रेम भाव (ii) भक्ति भाव (iii) दास्य भाव (iv) आग्रह का भाव

घ) पद में किस मत का प्रतिपादन किया गया है ?

(i) छायावाद (ii) एकेश्वरवाद (iii) भक्ति (iv) प्रयोगवाद

ङ) भक्त और भगवान की किन चीजों से तुलना की गई है ?

(i) चंद-चकोर (ii) मोती-धागा (iii) सोना-सुहागा (iv) उपर्युक्त सभी

च) कवि की दृष्टि में गरीबों और दीन-दु:खियों का रक्षक कौन है ?

(i) श्रीकृष्ण (ii) ईश्वर (iii) देवी-देवता (iv) अमीर वर्ग

छ) निम्न कोटी के लोगों का गोबिंद कैसे तारते हैं ?

(i) अचल संपत्ति देकर (ii) भक्त बनकर

(iii) बिना डरे ऊँच बनाकर (iv) धन-दौलत देकर

ज) ''लाल'' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

(i) ईश्वर (ii) स्वामी (iii) बेटा (iv) लाड़ले के लिए

झ) कवि ने भगवान को किन-किन नामों से पुकारा है ?

(i) गरीब निवाजु (ii) गुसईया (iii) गोबिंदु (iv) उपर्युक्त सभी

ञ) प्रस्तुत पद की भाषा है –

(i) ब्रज (ii) सधुक्कड़ी (iii) खड़ी बोली (iv) अवधी

२. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न –** **(1x10=10)**

क) कवि अपनी किस आदत को नहीं छोड़ पा रहा है? ''रैदास के पद'' के आधार पर लिखिए ।

ख) कवि के रोम-रोम में प्रभुभक्ति की सुंगध-किस प्रकार समाई हुई है?

ग) कवि ईश्वर से कैसा संबंध स्थापित करना चाहता है?

घ) रैदास के ''लाल'' की क्या विशेषता है?

ङ) ईश्वर को 'गरिब निवाजु' क्यों कहा गया है?

च) दूसरे पद कवि ने किसका चित्रण किया है?

छ) रैदास के स्वामी क्या-क्या कार्य करते हैं?

ज) प्रभु ने किन लोगों का उद्धार किया है?

झ) कवि ने प्रभु को सर्वोपरि माना है क्यों?

ञ) रैदास ने किस ईश्वर की अराधना की है?

३. **लघुत्तरीय प्रश्न –** **(2x10=20)**

क) कवि को राम नाम की रट क्यों नही छूटती है?

ख) कवि ने स्वयं को धागा क्यों कहा है?

ग) कवि ने सोने व सुहागे की बात किस संबंध में कही है?

घ) रैदास ने प्रभु को चाँद व स्वयं को चकोर क्यों माना है?

ङ) 'रैदास' द्वारा रचित प्रथम पद का भाव क्या है?

च) कवि ने स्वयं को प्रभु के निकट किन-किन रूपों में पाया है?

अथवा

रैदास जी अपने ईश्वर के साथ किन-किन रूपों में एकाकार हो गए?

छ) 'चाकि छोति जगत कउ लागै' का क्या आशय है?

ज) अछुतों पर कौन द्रवित होता हैं और क्यों?

झ) कौन लोग भवसागर से तर गए और कैसे?

ञ) दूसरे पद का भाव क्या हैं? लिखिए ।

४. **निबंधात्मक प्रश्न –** **(5x10=50)**

क) कवि रैदास की भक्ति किस प्रकार की भक्ति है?

ख) कवि रैदास अन्य कवियों जैसे – नामदेव, कबीर, त्रिलोचन, सधना एवं सैनु की चर्चा क्यों की हैं या करते हैं?

ग) कवि रैदास ने अपने पद के माध्यम से तत्कालीन समाज का चित्रण किस प्रकार किया है?

घ) रैदास के पदों में व्याप्त तत्कालीन समाज की विषमता के संदर्भ में अपना मत व्यक्त करें ।

ङ) रैदास अपने पदों द्वारा हमें क्या संदेश देना चाहते हैं?

च) कैसे कहा जा सकता है कि रैदास भक्त कवि के साथ –साथ एक समाज-सुधारक संत भी थे । तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।

छ) रैदास के पदों का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए ।

ज) भक्त कवि रैदास और स्वामी के बीच एकात्मकता किस किस रूप में प्रकट हुई हैं?

झ) रैदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।

ञ) रैदास के पदों का केंद्रिय भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

व्याकरण

-शब्द व पद

१. शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए ।

२. पद किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए ।

३. शब्द व पद में अंतर दर्शाने हेतु एक-एक कारण उदाहरण सहित लिखिए ।

४. शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण सहित लिखिए ।

५. 'घड़ी' शब्द का पद बनाइए ।

६. 'शब्द रूप' किसे कहते हैं?

अथवा

पद में रूपसाधक प्रत्यय लगे होते हैं अत: ये _____कहलाते हैं ।

७. किसी इकाई के स्वतंत्र होने का क्या अर्थ हैं?

८. शब्द पद कब कहलाते हैं?

◆◆◆